डीजल के दाम बढ़ने से बिगड़ा खेती का गणित, छोटे किसानों पर ज्यादा संकट

नवभारत न्यूज

बैतूल, 23 जून. खरीफ सीजन की तैयारियों के बीच किसानों पर महंगाई का दोहरा नहीं, चौतरफा हमला शुरू हो गया है। डीजल की कीमतों में लगातार हुई बढ़ोतरी ने खेती की लागत अचानक बढ़ा दी है।

जुताई से कटाई तक हर काम हुआ महंगा

इधर उपज के दाम स्थिर, लागत बेलगाम

स्थिति यह है कि महज 20 दिनों के भीतर ट्रैक्टर और कृषि यंत्रों के किराए में 150 से लेकर 200 रुपए प्रति घंटा तक की वृद्धि हो गई है। इससे खेत तैयार करने से लेकर बुआई और कटाई तक का पूरा खर्च बढ़ गया है। सबसे अधिक परेशानी उन छोटे और सीमांत किसानों को हो रही है, जिनके पास खुद के कृषि यंत्र नहीं हैं। उन्हें पूरी तरह किराए की मशीनों पर निर्भर रहना पड़ता है। इन दिनों खरीफ फसलों की बोवनी के लिए खेत तैयार करने का काम तेजी से चल रहा है। पहले जहां ट्रैक्टर से जुताई का काम 600 रुपए प्रति घंटा में हो जाता था, वहीं अब इसके लिए किसानों को 800-900 रुपए तक चुकाने पड़ रहे हैं। इसी तरह प्लाऊ का किराया 800 रुपए से बढकर 1000 रुपए प्रति घंटा तक पहुंच गया है। थ्रेसर मशीन के किराये में भी 200 रूपये प्रति घंटे के हिसाब से बढ़ोत्तरी हो गई है। कृषि कार्यों में उपयोग होने वाले अधिकांश यंत्र डीजल आधारित हैं। ईंधन महंगा होते ही संचालन लागत बढ़ गई। इसका पूरा बोझ किसानों पर डाल दिया गया।

उपज के दाम स्थिर, लागत बेलगाम : किसानों का कहना है कि सबसे बड़ी विडंबना यह है कि

खेती की लागत लगातार बढ़ रही है, लेकिन किसानों की उपज के दाम नहीं बढ़ रहे। मंडियों में किसानों को कई फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) तक नहीं मिल पा रहा है। डीजल, किराया-भाड़ा और रोजमर्रा की वस्तुओं के दाम बढ़ चुके हैं। धान, गेहूं, दलहन और तिलहन जैसी प्रमुख जिंसों के भाव लगभग स्थिर हैं।

किसानों का कहना है कि जब लागत लगातार बढ़े, उपज का उचित मूल्य न मिले, तो खेती फायदे का नहीं, घाटे का सौदा बन जाती है। खरीफ सीजन की शुरुआत में ही बढ़ती लागत ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। यदि डीजल और कृषि कार्यों के खर्च पर जल्द नियंत्रण नहीं हुआ तो आने वाले दिनों में खेती करना और मुश्किल हो जाएगा।

डीजल के पैसे पहले, तब खेत में उतार रहे ट्रैक्टर : डीजल की बढ़ी कीमतों का असर इतना ज्यादा है कि अब कई ट्रैक्टर संचालकों ने खेत में मशीन उतारने से पहले ही डीजल का नकद भुगतान लेना शुरू कर दिया है। किसानों का कहना है कि पहले दो-चार दिन की उधारी चल जाती थी। अब एडवांस भुगतान मांगा जा रहा है। खाद, बीज और मजदूरी पहले से ही महंगी है। ऐसे में डीजल ने खेती को और अधिक खर्चीला बना दिया है।

बुआई, सिंचाई से मंडी तक बढ़ा खर्चा

किसान मुंशीलाल, बृजेश, किसन, अब्बूलाल ने बताया कि खेती का हर चरण अब महंगा हो चुका है। जुताई, बुवाई, सिंचाई, कटाई और मंडी तक उपज पहुंचाने के लिए डीजल पर निर्भरता है। पहले सीमित बजट में खेती की तैयारी पूरी हो जाती थी। अब हर काम में अतिरिक्त खर्च जुड़ रहा है। इससे प्रति एकड़ लागत लगातार बढ़ रही है। किसानों का मुनाफा घटता जा रहा है। किसानों का कहना है कि खेत वही हैं, फसल वही है और मेहनत भी पहले जैसी ही है, लेकिन खेती का खर्च अब किसानों की पहुंच से बाहर होता जा रहा है। बढ़े डीजल दामों ने खेती का पूरा गणित बिगाड़ दिया है। जोताई, सिंचाई, कटाई और ढुलाई तक हर चरण महंगा हो चुका है।

4 लाख 56 हजार हेक्टेयर में होगी खरीफ की बुआई

कृषि विभाग के अनुसार इस साल जिले में 4 लाख 56 हजार 050 हेक्टेयर क्षेत्र में खरीफ फसलों की बुआई की जायेगी। पिछले साल जिले में 4 लाख 55 हजार 510 हेक्टेयर में खरीफ फसलों की बुआई हुई थी, जबकि इस साल विभाग द्वारा जो रकबा निर्धारित किया गया है, उसमें 540 हेक्टेयर की बढोत्तरी की है। विभाग ने इस वर्ष जिले में मक्का की बोवनी का लक्ष्य 3 लाख 1 हजार 500 हेक्टेयर निर्धारित किया है, जबकि सोयाबीन का लक्ष्य मात्र 95 हजार हेक्टेयर रखा है। कृषि विभाग के आंकड़ों के अनुसार खरीफ वर्ष 2025 में जिले में मक्का का रकबा 3 लाख 93 हेक्टेयर था, जो वर्ष 2026 में बढकर 3 लाख 1 हजार 500 हेक्टेयर करने का लक्ष्य तय किया है। वहीं सोयाबीन का रकबा 93 हजार 846 हेक्टेयर से बढ़ाकर 95 हजार हेक्टेयर प्रस्तावित किया है। बता दे कि खरीफ फसल की बुआई के लिए किसानों ने खेत बनाना शुरू कर दिया है। कहीं-कहीं भी किसानों ने बुआई के लिए खेतों को तैयार करने और खाद-बीज की व्यवस्था भी कर ली है। अब किसान बारिश का इंतजार कर रहे है कि जैसे ही मानसून सक्रिय होगा, वह बुआई कार्य प्रारंभ कर देगे। किसानों का कहना है कि अभी से योजना बना रहे है कि कितने हेक्टेयर में कौन सी फसल की बुआई करे।

एक नजर में

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी पुण्यतिथि मनाई

मुलताई। भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्य तिथि बलिदान दिवस के रूप में मनाते हुए नगरपालिका अध्यक्ष नीतू प्रहलाद सिंह परमार एवं सभापति शिल्पा शर्मा सहित भजपाइयो ने श्रद्धांजलि अर्पित की। बलिदान दिवस के अवसर पर नगर पालिका परिसर में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अध्यक्षनीतू प्रहलाद सिंह परमार, सभापति शिल्पा मनीष शर्मा,जनप्रतिनिधियों एवं नगर पालिका के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर उपस्थित सभी जनों ने डॉ. मुखर्जी के राष्ट्रहित, एकता, अखंडता एवं जनसेवा के प्रति उनके अतुलनीय योगदान को स्मरण करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन उनके प्रति श्रद्धा एवं सम्मान व्यक्त करते हुए किया गया।

गायत्री जयंती महापर्व आज

बैतूल। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में बुधवार 24 जून को गायत्री जयंती महापर्व श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर जिलेभर के गायत्री परिजन 40 दिवसीय साधना-अनुष्ठान का संकल्प लेकर आध्यात्मिक साधना की शुरुआत करेंगे। गायत्री परिवार के जिला समन्वयक रविशंकर पारखे एवं सह-समन्वयक राजकुमार पालीवाल ने बताया कि परम वंदनीया माताजी भगवती देवी शर्मा, अखंड दीप के शताब्दी वर्ष तथा परम पूज्य गुरुदेव पं. श्रीराम शर्मा आचार्य की प्रचंड तप-साधना के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में वर्ष 2026 का गायत्री जयंती महापर्व विशेष रूप से मनाया जा रहा है। इस अभियान का शुभारंभ गायत्री तीर्थ शांतिकुंज हरिद्वार से किया गया है। गायत्री जयंती के पावन अवसर पर जिले के सभी गायत्री शक्तिपीठों, प्रज्ञापीठों, नवचेतना केंद्रों एवं प्रज्ञा मंडलों में गायत्री चालीसा पाठ, सामूहिक जप-अनुष्ठान, गायत्री यज्ञ तथा दीप यज्ञ का आयोजन किया जाएगा। विश्व शांति, जनकल्याण, उत्तम वर्षा एवं सुख-समृद्धि की कामना से गायत्री मंत्र एवं महामृत्युंजय मंत्र की विशेष आहुतियां अर्पित की जाएंगी।

जादू-टोने के शक में 12 वर्षीय मासूम की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

बैतूल/मुलताई। मुलताई थाना क्षेत्र में जादू-टोने के अंधविश्वास के चलते 12 वर्षीय मासूम की बेरहमी से हत्या करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इस अंधे हत्याकांड का खुलासा कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार ग्राम ताईखेड़ा निवासी संगीता आहके ने 22 जून को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनका 12 वर्षीय बेटा अंकुश आहके 20 जून की दोपहर से लापता है। उन्होंने बताया कि गांव का ही सुदामा इनवाती अंकुश को खेलने के बहाने अपने साथ ले गया था, जिसके बाद वह घर वापस नहीं

लौटा। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक वीरेंद्र जैन के निर्देश पर विशेष टीम गठित की गई। जांच के दौरान पुलिस ने संदेही सुदामा इनवाती को हिरासत में लेकर पूछताछ की। तकनीकी और अन्य साक्ष्यों के आधार पर उसने अपने साथी राकेश उइके के साथ मिलकर हत्या करने की बात स्वीकार कर ली। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्हें मृतक की मां पर जादू-टोना करने का शक था। उनका मानना था कि इसी कारण उनके परिवार में वर्षों से संतान नहीं हो रही थी। इसी अंधविश्वास में दोनों ने अंकुश को घर से बुलाया और जंगल ले जाकर लोहे की रॉड से हमला किया तथा रस्सी से गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। बाद में शव को बोरी में बांधकर सालईढाना के जंगल स्थित एक नाले में फेंक दिया। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने शव बरामद कर लिया। मामले में हत्या की धाराएं बढ़ाकर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक ने लोगों से अपील की है कि अंधविश्वास और जादू-टोने जैसी अफवाहों पर विश्वास न करें तथा कानून और पुलिस की मदद लें।

नपा अध्यक्ष ने किया फिल्टर प्लांट का निरीक्षण

मुलताई। नगर की जलप्रदाय व्यवस्था में सुधार लाने के लिए मंगलवार को नगर पालिका अध्यक्ष नीतू परमार द्वारा सभापति एवं अधिकारियो के साथ खरसाली ि?ल्टर प्लांट का निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ सभापति पार्षद शिल्पा मनीष शर्मा,सुरेश पौनीकर, अजय यादव तथा मुख्य नगर पालिका अधिकारी वीरेन्द्र तिवारी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान फिल्टर प्लांट तक 24 घंटे निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विद्युत पोल लगाए जाने के कार्य का अवलोकन किया गया तथा संबंधित अधिकारियों को

आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। वर्तमान में समय-समय पर होने वाली बिजली कटौती के कारण फिल्टर प्लांट का संचालन प्रभावित होता है, जिससे विभिन्न वार्डों में पर्याप्त पेयजल आपूर्ति नहीं हो पाती। इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए फिल्टर प्लांट को 24 घंटे विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराने की योजना पर कार्य किया जा रहा है।बिजली कटौती की समस्या होने से भगतसिंह वार्ड,अंबेडकर वार्ड में पेयजल आपूर्ति नहीं होने से वार्डवासियों को नगरपालिका के टैंकर से पानी उपलब्ध कराया जा रहा है।

हिन्दू साम्राज्य स्थापना दिवस पर 27 जून को निकलेगी शोभायात्रा

मुलताई। जयेष्ट माह की शुक्ल त्रयोदशी को छत्रपति शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक और हिंदू साम्राज्य स्थापित हुआ था।जिसके चलते नगर में सकल हिन्दू समाज द्वारा शनिवार को हिन्दू साम्राज्य स्थापना दिवस मनाया जाएगा।हिन्दू संगठन के डॉ राजेंद्र सिंह ठाकुर ने बताया भगवा के अनन्य उपासक शिवाजी महाराज रणनीति ,कूटनीति में माहिर होने के साथ निषेधक और हिंदुओं की घर वापसी के समर्थक थे ।स्वामी विवेकानंद जी ने कहा था शिवाजी महाराज से बड़ा कोई नायक नहीं शिवाजी महाराज मनोवैज्ञानिक युद्ध कौशल ,सामाजिक चुनौतियों का सामना ,युद्ध नीति सर्जिकल स्ट्राइक ,घर वापसी भारतीय नौसेना के जनक , भगवा ध्वज और गुरु के प्रति अपनी श्रद्धा ये सभी बातें शिवाजी को जन-जन के नायक बनती है। हिंदू साम्राज्य दिवस को मनाने के लिए समस्त हिंदू समाज द्वारा 26 जून को शाम 5 बजे से मेला ग्राउंड से विशाल वाहन रैली, 27 जून शनिवार को 3 बजे से मंगलवार बाजार शिवाजी महाराज प्रतिमा स्थल से ध्वजा पताका ढोल नगाड़े के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी,जिसका समापन कृषि मंडी मे स्वल्पाहर के साथ होगा।कार्यक्रम में सभी हिन्दुओ से शामिल होने का अनुरोध किया हैं।

डीएपी-यूरिया की किल्लत पर भड़के किसान

चिचोली। खरीफ सीजन के दौरान डीएपी एवं यूरिया खाद की कमी तथा वितरण व्यवस्था में आ रही समस्याओं को लेकर किसानों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। मंगलवार को भारतीय किसान संघ के नेतृत्व में किसानों ने तहसील परिसर में विरोध प्रदर्शन कर प्रशासन को ज्ञापन सौंपा और खाद संकट के त्वरित निराकरण की मांग की। किसानों ने तहसीलदार पी.एस. दीवान, अनुभागीय कृषि अधिकारी बैतूल दीपक सरियाम एवं सहायक संचालक सुरेंद्र पराते वरिष्ठ कृषि अधिकारी गिरीश घोरसे को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन देकर बताया कि क्षेत्र के किसान डीएपी

खाद के लिए डबल लॉक केंद्र, गोंडवाना केंद्र एवं निजी खाद दुकानों के चक्कर काटने को मजबूर हैं, इसके बावजूद उन्हें पर्याप्त मात्रा में डीएपी उपलब्ध नहीं हो पा रही है। किसानों का कहना है कि कई केंद्रों पर खाद का ऑफलाइन स्टॉक उपलब्ध है, लेकिन ऑनलाइन रिकॉर्ड में स्टॉक शून्य दिखाया जा रहा है, जिससे वितरण व्यवस्था प्रभावित हो रही है। डीएपी की कमी के कारण किसानों को एनपीके खाद लेने के लिए मजबूर किया जा रहा है, जिसकी कीमत लगभग 2250 रुपये प्रति बोरी है, जबकि डीएपी खाद 1350 रुपये प्रति बोरी में उपलब्ध होती है।

कृषकों को 50 लीटर तक डीजल उपलब्ध कराएंगे पेट्रोल पंप

बैतूल। खरीफ सीजन में किसानों को कृषि कार्यों के लिए डीजल की सुगम उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिले के सभी पेट्रोल पंप संचालकों को आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं। आयुक्त, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, भोपाल के निर्देशों के पालन में स्थानीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए यह व्यवस्था लागू की गई है। जिला आपूर्ति अधिकारी कृष्ण कुमार टेकाम ने बताया कि कलेक्टर डॉ सौरभ संजय सोनवणे के निर्देशों के अनुसार खरीफ फसलों की बुवाई प्रारंभ होने के कारण किसानों, अत्यावश्यक सेवाओं एवं महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए डीजल की उपलब्धता बनाए रखना आवश्यक है। इसके तहत जिले में संचालित समस्त पेट्रोल पंपों को निर्देशित किया गया है कि कृषकों की सुविधा एवं कृषि कार्यों की निरंतरता के लिए निर्धारित पहचान पत्र एवं आवश्यक दस्तावेजों के सत्यापन के उपरांत प्लास्टिक केनों में अधिकतम 50 लीटर तक डीजल उपलब्ध कराया जाए। निर्देशों में यह भी स्पष्ट किया गया है कि डीजल का विक्रय शासन के प्रचलित आदेशों, सुरक्षा मानकों एवं विधिक प्रावधानों के अनुरूप किया जाए तथा विक्रय संबंधी आवश्यक अभिलेखों का संधारण अनिवार्य रूप से किया जाए।

समस्याओं का समाधान नहीं तो करेंगे आंदोलन

बैतूल। बिजली कंपनी द्वारा नगर में लगाए जा रहे स्मार्ट मीटरों के विरोध में आमला के नागरिकों ने युवा कांग्रेस की प्रदेश महासचिव प्राची पारधी के नेतृत्व में राज्यपाल के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। नागरिकों का आरोप है कि विद्युत उपभोक्ताओं की स्वीकृति के बिना स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं, जिससे उपभोक्ताओं को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और अत्यधिक व त्रुटिपूर्ण बिजली बिलों की शिकायतें लगातार बढ़ रही हैं। प्रदेश महासचिव प्राची पारधी ने कहा कि आमला में उपभोक्ताओं की सहमति के बिना स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं, जिससे लोगों को गलत एवं बढ़े हुए बिजली बिलों का सामना करना पड़ रहा है। यदि स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया पर तत्काल रोक नहीं लगाई गई और जनता की समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो युवा कांग्रेस जनहित में व्यापक आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी। राज्यपाल के नाम दिए गए ज्ञापन में कहा गया है कि आमला नगर में बिजली कंपनी द्वारा वर्तमान में नए स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं, लेकिन इस प्रक्रिया में उपभोक्ताओं की सहमति नहीं ली जा रही है। इससे आम जनता में भारी आक्रोश व्याप्त है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद कई उपभोक्ताओं को अधिक राशि के बिजली बिल प्राप्त होने की शिकायतें सामने आ रही हैं, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर और मध्यमवर्गीय परिवारों पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है। ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई कि आमला क्षेत्र में स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया को तत्काल प्रभाव से रोका जाए और उपभोक्ताओं की समस्याओं का समाधान किया जाए। चेतावनी दी है कि यदि मांग पर कार्रवाई नहीं की तो उग्र आंदोलन करेंगे।

घटिया निर्माण : सीएमओ ने दिए भुगतान रोकने के निर्देश

बैतूल। कायाकल्प 2.0 योजना के तहत लगभग दो करोड़ रुपए की लागत से शहर के गंज क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों में गुणवत्ता संबंधी गंभीर खामियां सामने आने पर नगर पालिका प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी नवनीत पाण्डेय ने मंगलवार 23 जून को एचडीएफसी बैंक के सामने से टांगा स्टैंड तक बन रही सड़क, नाली एवं डिवाइडर निर्माण कार्यों का मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया, जहां रोड डिवाइडर का निर्माण बेहद घटिया गुणवत्ता का पाया गया। निरीक्षण के दौरान मुख्य नगर

पालिका अधिकारी ने पाया कि संबंधित ठेकेदार द्वारा निर्माण कार्य में भारी लापरवाही बरती जा रही है तथा कार्य शासन द्वारा निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुरूप नहीं किया जा रहा है। निर्माण की गुणवत्ता संतोषजनक नहीं मिलने पर उन्होंने मौके पर ही कड़ी नाराजगी व्यक्त की और संबंधित ठेकेदार को तत्काल नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही स्पष्ट रूप से कहा कि उक्त निर्माण कार्य का भुगतान भी तत्काल प्रभाव से रोका जाए। मुख्य नगर पालिका अधिकारी नवनीत पाण्डेय ने कहा कि बैतूल नगर के विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा गुणवत्ता से समझौता कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जनता के पैसे का सदुपयोग सुनिश्चित करना तथा मजबूत एवं टिकाऊ निर्माण कार्य कराना नगर पालिका की पहली प्राथमिकता है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि निर्माण कार्यों में मानकों की अनदेखी करने वाले ठेकेदारों के खिलाफ भविष्य में ब्लैकलिस्टिंग जैसी कठोर दंडात्मक कार्रवाई भी की जाएगी।

जनसुनवाई | कलेक्टर ने जनसुनवाई में सुनीं नागरिकों की समस्याएं

जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का करें त्वरित निराकरण : कलेक्टर डॉ. सोनवणे

बैतूल। कलेक्टर डॉ सौरभ संजय सोनवणे ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में प्रात: 11 बजे से आयोजित जनसुनवाई में नागरिकों की समस्याएं ध्यान पूर्वक सुनीं। जनसुनवाई के दौरान राजस्व,भूमि विवाद, पेंशन, आवास, बिजली, पानी सहित अन्य विभागों से जुड़ी शिकायतें प्राप्त हुई। इस दौरान उन्होंने कई प्रकरणों में संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर मौके पर ही निराकरण कराया, वहीं शेष मामलों में समय-सीमा तय करते हुए अधिकारियों को शीघ्र समाधान के निर्देश दिए। जनसुनवाई में कोठीबाजार बैतूल निवासी पिंकी साहू ने बताया कि उनके पति की मृत्यु के पश्चात अनुकम्पा नियुक्ति के स्थान पर 5

वर्ष तक का वेतन दिए जाने के आदेश हुए थे। किंतु अभी तक राशि प्राप्त नहीं होने से काफी परेशानी हो रही है। जिस पर कलेक्टर डॉ. सोनवणे ने जिला शिक्षा अधिकारी से प्रकरण की जानकारी ली तथा तत्काल आवेदन निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आज निराकरण नहीं होता है तो लापरवाही की स्थिति में विकासखंड शिक्षा अधिकारी बैतूल और संकुल प्राचार्य बैतूल के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही प्रस्तावित की जाएं। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करें, ताकि आम नागरिकों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए जनसुनवाई में दोबारा न आना पड़े। इस दौरान अपर कलेक्टर वंदना जाट, संयुक्त कलेक्टर मकसूद अहमद ने भी नागरिकों की समस्याएं सुनी। इस अवसर पर सभी विभागीय अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे। जनसुनवाई में ग्राम बघोली निवासी उषा माकोड़े ने अवैध रूप से नाली निर्माण की शिकायत की। प्राप्त आवेदन पर कलेक्टर ने बैतूल जनपद पंचायत सीईओ को प्रकरण के निराकरण के निर्देश दिए।

सीमांकन करने के दिए निर्देश

जनसुनवाई में बडोरा निवासी सकून बाई मौखेड़े ने सीमांकन नहीं किए जाने के संबंध में आवेदन दिया। प्राप्त आवेदन पर कलेक्टर ने नायब तहसीलदार बैतूल 2 को सीमांकन कर आवेदक की समस्या के निराकरण के निर्देश दिए। इसके अलावा भगवत राव ने भूमि का सीमांकन करवाने के लिए आवेदन दिया, जिस पर कलेक्टर डॉ सोनवणे ने आठनेर तहसीलदार को आवेदक की समस्या के निराकरण के निर्देश दिए। चोरडोंगरी निवासी रामनाथ द्वारा आने-जाने के लिए रास्ता संबंधी शिकायत पर अपर कलेक्टर ने सारणी तहसीलदार को आवेदक की समस्या के निराकरण के निर्देश दिए। भीमपुर तहसील के चुनालोमा निवासी दलसिंह ने अवैध कब्जा की शिकायत की।

बस स्टैंड की पेयजल टंकी की कराई गई सफाई

आमला। नगर के बस स्टैंड स्थित यात्री प्रतीक्षालय में लगी पेयजल टंकी में गंदगी की शिकायत मिलने के बाद सफाई कार्य कराया गया। स्थानीय लोगों द्वारा टंकी के पानी की गुणवत्ता को लेकर चिंता जताए जाने पर वार्ड पार्षद खुशबू विजय अतुलकर ने नगर पालिका अमले को सूचना देकर मौके पर सफाई व्यवस्था सुनिश्चित कराई। बस स्टैंड पहुंचकर पार्षद ने टंकी की सफाई कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान टंकी की धुलाई की गई तथा अंदर जमा गाद और अन्य अवशेषों को बाहर निकाला गया। लंबे समय से सफाई नहीं होने के कारण यात्रियों और स्थानीय नागरिकों ने पेयजल की गुणवत्ता पर सवाल उठाए थे।स्थानीय नागरिक अतीक खान ने बताया कि बस स्टैंड पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में ग्रामीण और

शहरी क्षेत्र के लोग आते-जाते हैं। ऐसे में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थलों पर लगी पानी की टंकियों की नियमित जांच और सफाई की व्यवस्था होनी चाहिए। वहीं बस स्टैंड के व्यापारी गोलू डांगरे और तुलसीराम साहू ने सफाई कार्य का स्वागत करते हुए कहा कि एक बार की कार्रवाई के बजाय नियमित अंतराल पर टंकियों और पेयजल स्रोतों की सफाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। उनका कहना है कि इससे यात्रियों को स्वच्छ पानी मिलेगा और स्वास्थ्य संबंधी जोखिम भी कम होंगे। नागरिकों ने नपा से मांग की है कि सार्वजनिक स्थानों पर पेयजल व्यवस्थाओं के रखरखाव के लिए नियमित सफाई अभियान चलाया जाए, ताकि स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध हो सके।